13 YEARS ANNIVERSARY

दैनिक
सद्भावना पाती
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

13 YEARS ANNIVERSARY

www.sadbhawnapaati.com | इंदौर, मंगलवार 29 अप्रैल 2025 वर्ष :: 13 अंक :: 01 | sadbhawnapaatinews@gmail.com

एक पाती
अपने प्रिय पाठकों के नाम
(दैनिक सदभावना पाती के 13वें वर्ष में प्रवेश पर)

प्रिय पाठकों, सप्रेम वंदन।

आज जब 'दैनिक सदभावना पाती' अपने 13वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भरा हुआ है। यह केवल वर्षों की गिनती नहीं है, बल्कि आपके विश्वास, हमारे संकल्प और समाज के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी की कहानी है।

जब हमने इस पत्र की यात्रा शुरू की थी, तब एक ही विचार हमारे मन में था- **"प्राणियों में सदभावना हो।"** हमने पत्रकारिता को केवल समाचार देने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, जागरूकता फैलाने और सकारात्मक परिवर्तन लाने का साधन माना।

हमारी कोशिश रही है कि

हर शब्द से सच्चाई,
हर समाचार में विश्वास,
और हर पंक्ति में समाज को जोड़ने की सदभावना बहती रहे।

बीते वर्षों में हमने वैध-अवैध कॉलोनियों की समस्याओं से लेकर शिक्षा क्षेत्र की धांधलियों, स्वास्थ्य क्षेत्र की गड़बड़ियों और अपराध से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को बिना किसी भय या पक्षपात के उठाया। हमारी निडरता, आपकी अपेक्षाओं का उत्तर रही। हमारी ईमानदारी, आपके विश्वास की कसौटी रही।

आज 'दैनिक सदभावना पाती' को इंदौर एवं देश के सबसे विश्वसनीय अखबारों में गिना जाता है यह उपलब्धि केवल हमारी नहीं, यह आपकी है। आपका साथ, आपका भरोसा, और आपकी प्रेरणा ने हमें आगे बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण यात्रा में हमारी पूरी टीम का विशेष योगदान है। उनका समर्पण, उनकी निःस्वार्थ मेहनत और उनके भीतर बसे 'सदभावना के बीज' ने इस अखबार को आज जिस ऊँचाई पर पहुँचाया है, वह सचमुच गर्व का विषय है। हमारी टीम का प्रत्येक सदस्य न सिर्फ एक पत्रकार है, बल्कि समाज सेवा का एक सच्चा योद्धा है। भविष्य में भी हम नई योजनाओं, नए संकल्पों और नई ऊँचाइयों के साथ आपके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करते रहेंगे।

हम वादा करते हैं

हम हर खबर में आपकी आवाज़ बनेंगे,
हर मुद्दे पर आपके साथ खड़े रहेंगे,
हर पहल में सद्भावना को सबसे ऊपर रखेंगे।

आइए, इस पावन यात्रा में और भी मजबूती से एक साथ कदम बढ़ाएँ। क्योंकि यह सिर्फ एक अखबार नहीं, यह आपकी-हमारी-समाज की एक पाती है, एक ऐसी पाती, जहाँ हर शब्द में बसती है सदभावना।

हम इनसाइट टीम के साथ साथ विशेष आभार व्यक्त करते हैं

- श्री सुनील सिंह बघेल (वरिष्ठ पत्रकार एवं संरक्षक)
- श्री इन्दर प्रजापत (प्रबंध संपादक एवं संरक्षक)
- श्री सुरेश सिंह भदौरिया (संरक्षक)
- श्री सुनील चतुर्वेदी (मार्गदर्शक)
- श्री लक्ष्मीकांत पंडित (सलाहकार)
- श्री जोगेंद्र सिंह भदौरिया (सलाहकार)
- श्री गौरव चतुर्वेदी (वरिष्ठ पत्रकार)
- श्री डॉ. विजेंद्र वैष्णव (सलाहकार)
- श्री राजेंद्र सिंह जी और अन्य समस्त सहयोगियों के प्रति, जिनके सतत सहयोग और प्रेरणा ने हमें निरंतर आगे बढ़ने का बल दिया। आप सभी के योगदान से ही 'दैनिक सदभावना पाती' ने पत्रकारिता में एक नई पहचान स्थापित की है।

डॉ देवेंद्र मालवीय, प्रधान संपादक

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत का बड़ा कदम
फ्रांस से 26 राफेल मरीन विमानों की 63 हजार करोड़ की डील

भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्ते के बीच भारत और फ्रांस ने सोमवार को दिल्ली में 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों के लिए 63 हजार करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन भी मौजूद थे। इससे पहले फ्रांस के रक्षा मंत्री खुद हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने वाले थे, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत कारणों से अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। हालांकि, हस्ताक्षर समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद थे।

जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने विचार-विमर्श और मूल्यांकन परीक्षणों के बाद मेगा अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक स्वीकृति दी थी। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को राफेल (मरीन) जेट विमानों के निर्माता डसॉल्ट एविएशन से हथियार प्रणाली और कलपुर्जे सहित संबंधित सहायक उपकरण भी मिलेंगे। राफेल एम जेट आईएनएस विक्रांत से संचालित होंगे और मौजूदा मिग-29के बेड़े का सहयोग करेंगे। भारतीय वायु सेना पहले से ही 2016 में खरीदे गए 36 राफेल विमानों का बेड़ा संचालित कर रही है। ये विमान अंबाला और हासीमारा में स्थित हैं। इस नए सौदे से भारत में राफेल जेट विमानों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो जाएगी, जिससे देश के 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के बेड़े में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सूत्रों ने

बताया कि भारतीय विमानवाहक पोतों, विशेष रूप से आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की तत्काल आवश्यकता है।

मिग-29 के लड़ाकू विमानों के बेड़े को हटाने की तैयारी

बता दें कि खराब प्रदर्शन और रखरखाव संबंधी मुद्दों के कारण मिग-29के लड़ाकू विमानों के मौजूदा बेड़े को हटाने की तैयारी की जा रही है। 9 अप्रैल को समिति ने सबसे बड़े रक्षा सौदे को दी थी मंजूरी भारत ने इस महीने की शुरुआत में 9 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक के दौरान 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों के लिए अपने सबसे बड़े रक्षा सौदे को मंजूरी दी थी। इस अनुबंध में 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर जेट शामिल हैं, साथ ही बेड़े के रखरखाव, रसद सहायता, कर्मियों के प्रशिक्षण और स्वदेशी घटक निर्माण के लिए एक व्यापक पैकेज भी शामिल है।

राफेल मरीन की खासियत
एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है राफेल मरीन

राफेल मरीन विमान एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई पर जा सकता है। पाकिस्तान के पास मौजूद ए-16 और चीन के पास मौजूद जे-20 विमानों से राफेल ज्यादा बेहतर है। ये विमान अपनी अपनी उड़ान वाली जगह से 3700 किलोमीटर दूर तक हमला कर सकता है। इसको विमानवाहक युद्धपोत के लिए खास तैयार किया गया है। यह दुश्मनों के रडार को चकमा देने में सक्षम है। राफेल विमान हिमालय के ऊपर बेहद सर्द मौसम में भी उड़ सकता है। इस फाइटर जेट के वजन की बात करें तो राफेल की तुलना में राफेल मरीन का वजन थोड़ा अधिक है। जानकारी के मुताबिक, इस लड़ाकू विमान का वजन लगभग 10,300 किलोग्राम है। राफेल विमान के विंग्स मुड़ नहीं सकते हैं, लेकिन राफेल मरीन के विंग्स पूरी तरह से मुड़ सकते हैं।

प्रदेश पाती

दैनिक सदभावना पाती

इंदौर, मंगलवार 29 अप्रैल 2025

जल का संरक्षण

दैनिक सदभावना पाती के 13वें वर्ष में एक नई दिशा

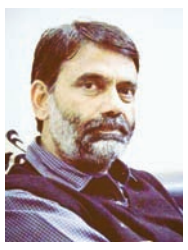

सुनील चतुर्वेदी

भू-जल वैज्ञानिक और वरिष्ठ पत्रकार

दैनिक सदभावना पाती आज अपने 13वें वर्ष में कदम रख रहा है आज के दौर में जब पत्रकारिता की विश्वसनीयता को लेकर प्रश्न खड़े हो रहे हैं इस समय में सद्भावना पाती सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता को वरीयता दे रहा है। और आज जब पूरी दुनिया पर्यावरणीय और जल संकट के दौर से गुजर रही है सद्भावना पाती पत्रकारिता के कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जल एवं पर्यावरण को लेकर अपने पाठक समूह को जागरूक कर जिम्मेदार पत्रकारिता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। जल का संरक्षण न केवल हम सभी के जीवन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। यदि हम जल की आवश्यकता को समझकर, जल पुनः संचयन और उसके सही उपयोग के उपायों को अपनाएं, तो हम न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज को भी एक स्थिर और समृद्ध भविष्य दे सकते हैं। आइए, इस विशेष अवसर पर हम सब मिलकर जल बचाने के लिए कदम उठाएं, ताकि यह अनमोल संसाधन आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके। अपने 13 वें वर्ष में प्रवेश पर सद्भावना पाती परिवार को हार्दिक बधाई और यह समाचार पत्र पत्रकारिता के नए प्रतिमान स्थापित करे यही शुभेच्छा है।

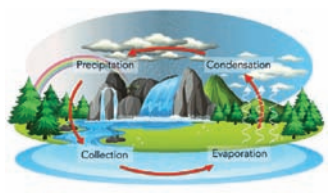

लक्ष्य की तरफ बढ़ता एक और कदम

विचार पवित्रता यज्ञ सदभावना संग

लक्ष्मीकांत पंडित

भारतीय पत्रकारिता कभी भी आसान नहीं रही और इसका असर यह भी रहा कि यहां पर चुनौतियों को सामने रखकर पत्रकारिता करने वाले दबंग और खुले विचार से स्वयं को साबित करने वाले पत्रकार उनके समाचार पत्र हमेशा भरोसेमंद साबित हुए।

आज सदभावना पाती एक और नए वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अब तक की यात्रा में हमने इस समाचार पत्र के माध्यम से पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांत और विचारों की अभिव्यक्ति के साथ जन कल्याण एवं संवाद सेतु की समस्त भूमिकाओं का संचालन बखूबी से किया है। आज के दौर में समाचार पत्र प्रकाशन सहज नहीं रहा है और यही कारण है कि सदभावना पाती का पूरा परिवार बधाई का पात्र है। मेरा इसका साथ इसकी शुरुआत से ही रहा और आज इसकी नित नई उपलब्धि मुझे प्रेरणा देती है। कोई भी कार्य सफलता के लिए समर्पण की मांग करता है और यही नियम पत्रकारिता में भी लागू होता है। समाज में व्याप्त अच्छाई बुराई, सरकार की रीति नीति और बदलते परिवेश को समझना और विधिवत तर्कों के साथ प्रकाशित करने के लिए तपस्या करनी पड़ती है, दिन रात एक करना पड़ता है। सदभावाना पाती ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक कोई समझौता नहीं किया। अलबत्ता हमारी खबरों का असर हुआ और अनेक विषयों पर सरकार हमसे सहमत नजर आयी। पाठकों का दीर्घकाल का साथ हमारी पूंजी रही और इसी विश्वास की पूंजी के साथ हम वर्ष दर वर्ष उनके मानस पटल पर खरे उतरते रहे। अपनी इस यात्रा में सदभावना पाती ने भविष्य के विषयों खासकर शिक्षा, उच्च शिक्षा और विज्ञान, रोटी, कपड़ा, मकान जैसे आमजन के बुनियादी विषय पर खबरों पर केंद्रित रखा, वहीं मानवीय सरोकार से ओतप्रोत सांस्कृतिक विरासत एवं चिकित्सा विधि सम्मत खबरों को भी स्थान दिया। पारंपरिक और विकसित तकनीकी के जरिए हम लोगों तक पहुँच रहे हैं और हर दिन सदभावना पाती के चाहने वाले पाठक बढ़ रहे हैं। किसी भी दौर का वर्तमान संघर्ष काल रहता है, सहज सरल खबरें आती हैं पर पत्रकारिता आज भी कठिन है। संस्थागत पत्रकारिता का प्रत्येक दिन "प्रसव" पीड़ा देता है पर लगन और प्रतिबद्धता का मानसिक बल इससे पार पा लेता है।

सफर के एक नए पायदान पर सदभावना पाती को मैं बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

My 11 Years Journey with Dainik Sadbhawna Paati"

A Family Called Sadbhawna

Celebrating 13 Years of Trust, Dedication, Triumph and Togetherness With Deep Gratitude

Poonam Sharma

Co-editor

Today, Dainik Sadbhawna Paati completes 12 remarkable years of serving truth, society, and journalism with integrity and passion. As I sit to pen down my feelings today, I realize that no amount of words can truly capture what this institution means to me - but I wish to try. This article is not merely about my personal journey; it is a heartfelt dedication to Sadbhawna Paati, to the incredible team that keeps it alive every day, and to the spirit that binds us all together. Sadbhawnapaati has not just been a workplace for me-it has been my greatest teacher.

A Journey Etched in My Heart

As we celebrate the 13th anniversary of Dainik Sadbhawna Paati, my heart brims with emotions that words can hardly capture. This is not just an anniversary for us — it is the celebration of dreams, struggles, victories, and memories stitched together over more than a decade. For me personally, this newspaper is not just my workplace; it is my second home. I have proudly been a part of this journey for the last 11 years. Every single day at Sadbhawna Paati has been a new learning experience, a new reason to smile, and sometimes a new challenge that made me stronger. When I look back, I feel proud — proud of the stories we told, the connections we built, and the trust we earned from our readers.

The story of Dainik Sadbhawna Pati is itself a symbol of hope, unity, and commitment to society. Starting a newspaper is never easy — it requires not just passion but endless hours of hard work, belief, and resilience. From humble beginnings to becoming a trusted name in journalism, every milestone was earned with sweat and sincerity. We faced tough competition, financial hurdles, market challenges, and countless sleepless nights. But what kept us moving was our core principle: Sadbhawna- goodwill, positivity, and sincerity towards our readers. Over the years, Dainik Sadbhawna Paati became not just a newspaper, but a bridge connecting communities, giving voice to the unheard, and standing up for truth. The challenges were many, resources were limited, but the fire in our collective spirit was unstoppable. I felt more and more connected to this institution that had trusted me with so much.

We have proven that even a small team, with limited means but unlimited dreams, can create ripples of change in society. Sadbhawna paati stands tall today because it was built on the foundation of values, not shortcuts; integrity, not ambition; community service, not mere profit. Each reader who trusts us, each story that makes a difference, each smile we bring — these are our real rewards. We were a small team — but what we lacked in numbers, we made up for with determination. Everyone wore multiple hats. Reporters became designers when needed; editors became coordinators; administration staff helped in circulation. Titles didn't matter — the mission did. This collective spirit, this family-like environment where each one supported the other, became our greatest strength. In these moments of struggle, I learned that success is not defined by the absence of problems but by the presence of unity, resilience, and faith.

Today, as we celebrate 13 years of Dainik Sadbhawnapaati, one of the things I am proudest of is the efficiency of our small but incredibly powerful team. Unlike large media houses with big budgets and sprawling offices, we worked with what we had — and we made it enough. In today's fast-paced, competitive corporate world, it's rare to find a workplace that feels like family. But at Sadbhawna Pati, that's exactly what we have built over these 13 years. Our core team of 4-5 members and the editorial department of 5-6 people may seem small in numbers, but the strength of our bond multiplies that manyfold. Every single member is valuable. Every single member brings something unique to the table. We share responsibilities, we share laughter, we share dreams, and sometimes, even tears. From coordinating at odd hours to celebrating birthdays with homemade sweets, from covering sensitive news stories with teamwork to late-night brainstorming sessions — our journey has been filled with beautiful memories. Each member here is more than a colleague — they are friends, mentors, and companions in this beautiful journey. Everyone here wore multiple roles: a journalist today, a proofreader tomorrow, a coordinator the day after. There were no silos, no rigid hierarchies, only a sense of shared responsibility and deep commitment to our readers. We took pride in covering grassroots stories often overlooked by mainstream media. We celebrated local heroes, highlighted real issues, and stayed true to our mission — promoting truth, honesty, and positivity in society.

Gratitude to Our Editor Sir Dr. Devendra Malviya: The Captain of Our Ship

At this point, it is impossible not to pause and express my heartfelt gratitude to the person who stood by me through every high and every low — our Editor. First of all, Thank you respected Editor Sir, for your endless support, trust, and mentorship.

Dear Devendra Sir, Words fall short when I try to express my gratitude towards you. You have been more than an editor — you have been a guide, a motivator, a problem-solver, and a fatherly figure for all of us. Your vision, your patience, your leadership have been the guiding light for Sadbhawna Paati. You not only nurtured this newspaper but also each and every one of us personally. Whether it was a professional crisis or a personal difficulty, your doors were always open for us. Your words of encouragement in times of failure and your silent strength during times of difficulty have taught me life lessons that I will carry forever. In today's world, where most employers are concerned only about results and deadlines, you have shown us what true leadership and humanity mean. You built a place where respect, dignity, and compassion come first. When mistakes happened — as they inevitably do — you chose to guide, not scold; to encourage, not belittle. When achievements came, you gave credit generously and shared the joy as a team. You made Sadbhawnapaati not just a newspaper office, but a place where people could grow, make mistakes, learn, and become better every day. Thank you for believing in me even when I struggled to believe in myself. Thank you for letting me fly, while always being the safety net below. You are not just an editor — you are a mentor, a guide, and a symbol of what true leadership looks like. Thank you, Sir, for believing in us, for standing by us, and for always leading with your heart.

The Power of Unity: How Sadbhawna Became a Family

A Heart Full of Gratitude : A Special Thank You to My Teammates

Thank you to my wonderful colleagues, for showing every day what unity, hard work, and heart can achieve. Thank you for being more than co-workers. Thank you for lifting each other during difficult times. Thank you for standing united through challenges and celebrating even the smallest victories together. Without this unity and warmth, Sadbhawna Paati would not be what it is today. And thank you, dear readers, for trusting us, for believing in the stories we tell, and for being the ultimate inspiration behind every word we write. As we step into our 13th year today, I do so with folded hands, a humble heart, and a promise to serve this mission with the same passion, perseverance, and pride that have brought us this far. Thank you, Sadbhawnapaati, for giving me not just a career, but a purpose. I am proud to continue walking this journey with my team, my editor, and my readers — knowing that our best days are still ahead of us.

Thirteen years is not just a number. It is a collection of moments, memories, lessons, relationships, and growth. As Dainik Sadbhawna Pati steps into another year of service, I promise to continue giving my best and continue carrying the spirit of Sadbhawna wherever I go. To my Editor Sir, to my dear teammates, and to all our readers — Thank you from the bottom of my heart. May we continue to walk this path of goodwill, truth and excellence for many, many years to come.

Happy 13th Anniversary, Dainik Sadbhawna Paati With all my gratitude and love !

दैनिक सदभावना पाती में मेरे 9 साल

पत्रकारिता से जीवन तक

जहाँ मैंने सिर्फ पत्रकारिता नहीं, इंसानियत सीखी

विजेश पटेल

पत्रकारिता से ज्यादा हर मोर्चे पर सहभागिता

सदभावना पाती में मेरा योगदान हमेशा मल्टी-डायमेंशनल रहा है। रिपोर्टिंग, मैनेजमेंट, प्रशासनिक काम, दस्तावेज़ीकरण और वितरकों के साथ समन्वय- मैंने हर क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाई है। मैंने ऑफिस में रहकर तकनीकी से लेकर ऑफिस के लगभग सभी कार्यों में मैंने हिस्सा लिया- क्योंकि यह मेरा सपना था, मेरा अपना अख़बार था।

बदलती पत्रकारिता, अडिग मूल्य

आज जहाँ पत्रकारिता कॉर्पोरेट दबावों, टीआरपी और सनसनी की शिकार होती जा रही है वहीं दैनिक सदभावना पाती अब भी जनसरोकारों की सच्ची अभिव्यक्ति बना हुआ है। इस अखबार में काम करना मतलब समाज के साथ सीधे संवाद में रहना है।यहाँ हर खबर सिर्फ एक हेडलाइन नहीं, एक वादा है- बदलाव का, जागरूकता का और न्याय का। इस अखबार ने मुझे सिखाया कि जब तक खबर में दिल न हो, वो पाठक के दिल तक नहीं पहुँचती।

नई प्रेरणा, नया संकल्प

अब जब सदभावना पाती अपने 12 वर्ष पूर्ण कर 13वें में प्रवेश कर चुका है, मैं गर्व से कह सकता हूँ कि यह यात्रा मेरी आत्मा में बस गई है। मेरा सपना है कि आने वाले वर्षों में हम तकनीकी रूप से और सक्षम हों, अधिक युवाओं को जोड़ें, और ग्रामीण क्षेत्रों की आवाज़ को और मजबूती दें। मैं हर दिन यह प्रार्थना करता हूँ कि मैं इस मिशन में अपनी भूमिका को और बेहतर बना सकूँ, और संपादक जी की सोच को और आगे ले जा सकूँ।

मैं दिल से धन्यवाद देता हूँ संपादक डॉ. देवेंद्र मालवीय को, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, मुझे अवसर दिए, और कठिन समय में मेरा सहारा बने। मैं अपने सहकर्मियों को धन्यवाद देता हूँ जिनके साथ मिलकर हर चुनौती को अवसर में बदला। और सबसे बड़ा धन्यवाद उन पाठकों को, जिनकी आँखों से हमारे शब्द पढ़े जाते हैं और जिनके दिलों में सदभावना पाती एक भरोसे का नाम है। सदभावना पाती मेरे लिए सिर्फ पत्रकारिता का मंच नहीं, बल्कि वह मंदिर है जहाँ मैंने सेवा, सहयोग और सच्चाई की आराधना की है। बारह वर्षों की इस साधना को नमन और भविष्य के उजाले के लिए शुभकामनाएँ !

संपादन से संवेदना तक डॉ. देवेंद्र मालवीय

मेरे संपादक डॉ. देवेंद्र मालवीय के साथ काम करना मेरे जीवन का सबसे मूल्यवान अनुभव रहा है। वे सिर्फ एक संपादक नहीं हैं, बल्कि एक दृष्टा हैं, जो शब्दों में चेतना भरना जानते हैं। उन्होंने मुझे हर कार्य में विश्वास, स्वतंत्रता और मार्गदर्शन दिया। मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात रही कि उन्होंने मुझ पर व्यक्तिगत और संपादकीय दोनों स्तरों पर भरोसा किया और मुझे टीम की रीढ़ जैसा महत्व दिया। वे जब भी किसी योजना पर विचार करते हैं, मुझे उसमें शामिल करते हैं। मैं उनका सहायक मात्र नहीं, बल्कि उनके विचारों का संवाहक बनने का सौभाग्य पाता हूँ। यही जुड़ाव मुझे भावनात्मक रूप से अख़बार से जोड़ता है।

एक युवा से जिम्मेदार साथी तक की यात्रा

लगभग 9 साल पहले जब मैं इस संस्थान से जुड़ा था तब समय के साथ मुझे जो जिम्मेदारियाँ मिलीं, वे सिर्फ एक कार्य तक सीमित नहीं रहीं। ऑफिस के छोटे-बड़े कामों से लेकर व्यवस्थाओं को सँभालना, मेल-जोल, समन्वय और यहाँ तक कि देवेंद्र भैया के कई व्यक्तिगत और व्यावसायिक कार्यों में सहयोग देना — यह सब मेरा नियमित हिस्सा बन गया।

जब अख़बार परिवार बन गया

दैनिक सदभावना पाती मेरे लिए एक ऑफिस नहीं, एक परिवार बन गया। जहाँ लोग सिर्फ काम नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। अख़बार के डेस्क पर बैठकर पन्नों को अंतिम रूप देना हो या आयोजन के दिन सब कुछ संभालना, मैंने हर पल को पूरी निष्ठा और लगन से जिया। कभी अख़बार के विमोचन कार्यक्रम में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी उठाई, तो कभी लेख संग्रह और डाटा मैनेजमेंट में दिन-रात एक किया। यहाँ तक कि अख़बार वितरण तक के कार्यों में भी जब ज़रूरत पड़ी, मैं हर भूमिका निभाने के लिए तैयार था। यह मेरा काम नहीं, मेरा धर्म बन गया था।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर में फिर रखी जा रही जमीन घोटालों की नींव

हवा में प्रोजेक्ट कब "साकार" होंगे पता नहीं

दावे और वास्तविकता में है अंतर

यहां समझे रेरा के नियम और बिल्डर/एजेंट की चालाकियों को

इसरो ने आदित्य एल-1 र शिफ्ट किया फोकस

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से ... में एक समाधि के नीचे भी रखा...

'लेडी ड्रिंक स्कैम'

रेंगता रेरा फलते-फूलते एजेंट

कानून के पालन में फिसड्डी हुआ मध्यप्रदेश रेरा

कुल 1099 एजेंट पंजीकृत, 330 का नहीं हुआ रिनेवल

सुविधा: फीस भरो घर बैठो

परीक्षा देने आ जाना कोई रोकटोक नहीं

दैनिक सद्भावना पाती के पास इस मामले में दर्जनों कॉलेजों के ठोस सबूत एडमिशन के पहले से ही शुरु हो जाती है सेटिंग, कॉलेज नहीं आने का अलग से देना होता है चार्ज

देवास का ज्ञानोदय

AKSA पार्ट-2

शिक्षा सेवा नहीं व्यापार

भोले भाले छात्रों को ग्लैमर, उड़ान के सपने

लाखों में बेच रहा अक्सा इंस्टिट्यूट

सवाल जो पूछे गए थे

राहुल पाण्डेय

भूटान में पीएम को मिला सर्वोच्च नागरिक सम्मान

खबरों और शिकायतों का असर: केंद्र सरकार का सख्त रवैया, कोचिंग कॉर्पोरेट अब नियम के दायरे में, मनमानी पर कसी नकेल

नियमों के उल्लंघन पर एक लाख तक का जुर्माना, फिर पंजीकरण रद्द

मध्य प्रदेश जहां शिक्षा सेवा नहीं व्यवसाय

700 बीएड कॉलेज 58 हजार छात्र 174 करोड़ फीस, 1000 करोड़ से ज्यादा का छात्रवृत्ति घोटाला, फर्जी फैकल्टी वित्तीय अनियमितताएं अब सभी ईओडब्ल्यू की जद में

"उन्नत भारत अभियान" योजना मप्र में हुई फिसड्डी

6 वर्ष में मात्र 121 इंस्टीट्यूट रजिस्टर्ड

अन्य प्रदेशों की स्थिति मप्र से बेहतर

मोहन यादव आज लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

Fake PhD: मानद डॉक्टरेट अवार्ड के नाम पर खुलेआम मची है 'लूट'

NHAI में सीएम हेल्पलाइन, प्रधानमंत्री कार्यालय में की गई शिकायतों में भी 'अवैध कट'

शिक्षा माफिया

सपनों की उड़ान भरवाते बिना मान्यता प्राप्त एयरहोस्टेस इंस्टिट्यूट

Frankfinn

13 YEARS ANNIVERSARY

दैनिक
सद्भावना पाती

RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

4

इंदौर, मंगलवार 29 अप्रैल 2025

13 वर्षों के विश्वास की हमारी कहानी

दैनिक सदभावना पाती के साथ मेरी यात्रा

आज जब दैनिक सदभावना पाती अपनी 13वीं वर्षगांठ मना रहा है, तो मन में गर्व, उत्साह और भावुकता के अनेक रंग एक साथ उमड़ रहे हैं। मैं सम्पादक महोदय डॉ. देवेंद्र मालवीय जी, पूरी टीम और हमारे सम्माननीय पाठकों के प्रति गहन आभार व्यक्त करता हूँ।

अक्षत शाक्यवार

ANNIVERSARY 13 YEAR CELEBRATIONS

परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना हैं कि सदभावना पाती निरंतर सफलता की नई ऊंचाइयों को छुए, समाज में सकारात्मक परिवर्तन और सद्भावना का संदेश फैलाती रहे।

दैनिक सदभावना पाती को

12 वर्ष पूर्ण होने पर

हार्दिक शुभेच्छा

ढेरों शुभकामनाएं एवं शुभेच्छाएं।

जितेन्द्र यादव

दैनिक सदभावना पाती को

13वें गौरवपूर्ण वर्ष

|| प्रवेश के अवसर पर ||

हार्दिक शुभकामनाएं

SOS INFRABULLS
INTERNATIONAL PVT LTD
Security Opportunity Sincerity

CELEBRATING 13th ANNIVERSARY

"दैनिक सदभावना पाती" को 13वें वर्ष में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। आपका प्रकाश यूं ही फैलता रहे।

:: बधाईकर्ता ::

सीतामऊ नगर पंचायत अध्यक्ष

मनोज शुक्ला

एजेंडा आधारित पत्रकारिता ऐसी भी

गौरव चतुर्वेदी (खबर नेशन)

देश में पत्रकारिता की दशा-दिशा बिगाड़ने में सरकारों के साथ साथ मीडिया संस्थान मालिक शिद्दत से लगे हुए हैं। कोई समाचार समूह चाटुकारिता की हदें लांघ रहा है तो कोई विपक्षी दलों का भोंपू बनकर चिंघाड़ रहा है। कुछ संस्थानों का गला सरकार अपनी जांच एजेंसियों के हाथों से दबा रही है। ऐसे में सीमित संसाधनों में अपने ही एजेंडे पर सद्भावना पाती पत्रकारिता कर रहा है। एजेंडा है आम जनमानस की छोटी छोटी समस्याओं को लिखने से गुरेज न करना। कम समय में इस दिशा में काम कर सदभावना पाती ने एक अलग मुकाम हासिल किया है।

सदभावना पाती की पूरी टीम को बधाई और नव वर्ष में प्रवेश की मंगलकामनाएं।

दैनिक सदभावना पाती को 13 वें स्थापना वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं

साहसिक पत्रकारिता का प्रतीक

दैनिक सदभावना पाती के 12 वर्षों की सफलता

सुनील सिंह बघेल

एग्जीक्यूटिव एडिटर बंसल न्यूज़

वर्तमान समय में जब पत्रकारिता अपने मूल्यों और उद्देश्य से भटकती जा रही है, तब दैनिक सदभावना पाती जैसे अखबार समाज के महत्वपूर्ण सवालों को उठाने का साहस और निडरता दिखा रहे हैं। जहाँ एक ओर पत्रकारिता सत्ता के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने के लिए दबाव में आती जा रही है, वहीं दैनिक सदभावना पाती हर चुनौती का सामना करते हुए, सत्ता से सवाल पूछने, भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने और समाज के लिए एक सशक्त आवाज बनने का काम कर रही है।

13 वर्षों की इस यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया है कि दैनिक सदभावना पाती केवल एक समाचार पत्र नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है, जो हमेशा सत्य, निष्पक्षता और साहसिक पत्रकारिता के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखती है। इस अखबार ने अपने पाठकों के बीच विश्वास और सम्मान अर्जित किया है, क्योंकि यह कभी भी सत्ता के सामने न झुका है, और न ही किसी दबाव में आकर अपने कर्तव्यों से विमुख हुआ है।

सत्ता के खिलाफ आवाज उठाना, भ्रष्टाचार पर निडर कलम चलाना और जनहित के मुद्दों पर निष्पक्ष रिपोर्टिंग करना, यही दैनिक सदभावना पाती का असली आदर्श है। 13 वर्षों के सफर में इस अखबार ने जो संघर्ष और सफलता देखी है, वह सचमुच प्रेरणादायक है। इस यात्रा में इस अखबार ने सामाजिक मुद्दों, भ्रष्टाचार और सरकार की नीतियों पर कठोर सवाल उठाए हैं, जो किसी भी सच्चे पत्रकारिता संस्थान के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। आज जब दैनिक सदभावना पाती अपने 13वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं इस अखबार के संपादकों और पत्रकारों को बधाई देता हूँ। यह अखबार न केवल इंदौर बल्कि देशभर में एक मिसाल बन चुका है, जहाँ पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सच और निडरता है। आने वाले वर्षों में यह अखबार अपनी निष्पक्षता, ईमानदारी और साहस के साथ और भी ऊँचाइयाँ हासिल करेगा।

»» मैं इस सफर में दैनिक सदभावना पाती को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ और सफलता की कामना देता हूँ। यह अखबार हमेशा अपनी स्वतंत्र आवाज और निडर पत्रकारिता के लिए जिंदाबाद रहेगा।

सामाजिक मूल्यों और निडर पत्रकारिता की मिसाल है दैनिक सदभावना पाती

अपने 40 वर्षों के राजनैतिक और सामाजिक जीवन में मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सत्ता के दबाव में झुकते कई अखबारों और चैनलों को देखा, समझा और जाना।

इस यात्रा में एक बात स्पष्ट हुई कि समाज की सच्ची आवाज को उठाने वाले लोग अब कम हो गए हैं। जब मेरे मित्र और छोटे भाई देवेंद्र ने दैनिक सदभावना पाती का प्रस्ताव रखा, तो मैंने इसे समाज को एक सूत्र में बांधने का एक अनूठा अवसर समझा और प्रबंध संपादक की भूमिका स्वीकार की।

दैनिक सदभावना पाती आज अपने 13वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और यह अखबार न केवल पत्रकारिता की निडरता, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा का प्रतीक बन चुका है, बल्कि यह सामाजिक मूल्यों और नैतिकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी सिद्ध कर चुका है। हम खबरों को न केवल एक साधारण रिपोर्ट के रूप में देखते हैं, बल्कि उन्हें जनता की आवाज बनाने और उन्हें अंजाम तक पहुँचाने का उद्देश्य रखते हैं। यह अखबार अपनी सशक्त पत्रकारिता के द्वारा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मैं अपनी पूरी टीम और हमारे पाठकों का दिल से धन्यवाद करता हूँ। आप सभी के सहयोग और समर्थन से हम आज इस मुकाम पर हैं। आने वाले वर्षों में हम और भी बेहतर उदाहरण पेश करेंगे और समाज की सच्ची आवाज बने रहेंगे। इस यात्रा में साथ देने के लिए सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

इंदर प्रजापत
प्रबंध संपादक

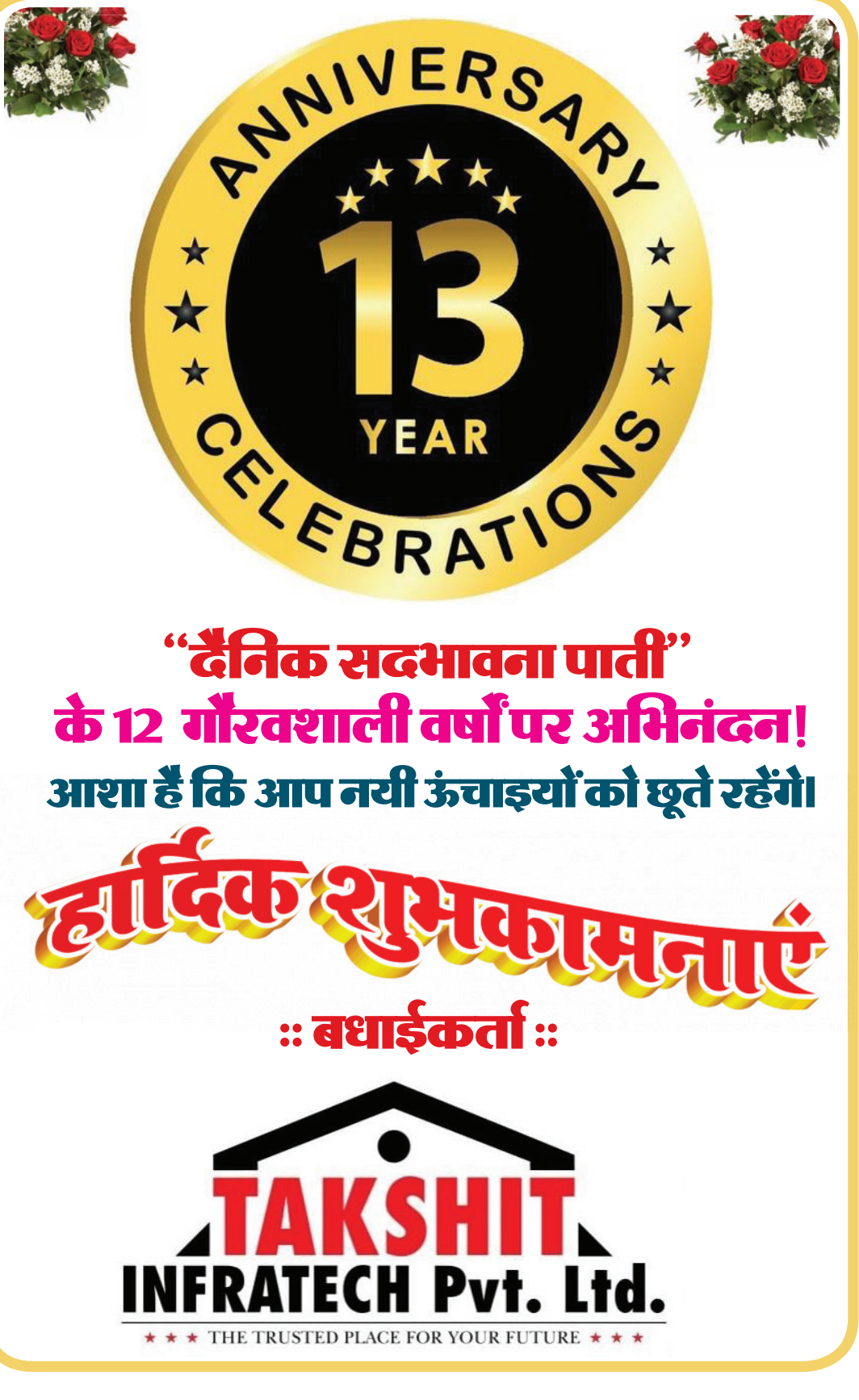

"दैनिक सदभावना पाती" के 12 गौरवशाली वर्षों पर अभिनंदन!

आशा है कि आप नयी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।

हार्दिक शुभकामनाएं

:: बधाईकर्ता ::

TAKSHIT INFRATECH Pvt. Ltd.

★ ★ ★ THE TRUSTED PLACE FOR YOUR FUTURE ★ ★ ★

13YEAR ANNIVERSARY

समर्पण, सेवा और सदभावना की 12 वर्षों की यात्रा को नमन

"दैनिक सदभावना पाती" को दिल से शुभकामनाएं और उज्ज्वल भविष्य की कामना।

:: बधाईकर्ता ::

संजय ब्यास एवं श्रीमती पल्लवी ब्यास

दैनिक सदभावना पाती को 13वें वर्ष में प्रवेश की कोटि-कोटि बधाई

डॉ. विजेंद्र वैष्णव
सलाहकार

हम डॉक्टर जब अपनी पढ़ाई पूरी करके शपथ लेते हैं, तो हमारे मन में यही विचार होता है कि हम किसी भी व्यक्ति का उपचार बिना किसी भेदभाव के करें, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या आर्थिक स्थिति का हो। हमारा उद्देश्य केवल मानवता है, और हम हर मरीज का उपचार इस विचार के साथ करते हैं कि उनका दर्द और परेशानी हमें समझनी है, न कि उनकी पहचान या स्थिति को। इसी प्रकार दैनिक सदभावना पाती अखबार भी बिना किसी जात-पात या आर्थिक लालच के अपनी निष्पक्ष और निडर पत्रकारिता करता है। यह अखबार हमेशा समाज के सही मुद्दों को उठाता है और जनहित में खबरों को सच्चाई के साथ प्रस्तुत करता है, बिना किसी दबाव या पक्षपाती दृष्टिकोण के।

दैनिक सदभावना पाती अपने 12 वर्षों में यही सिद्ध कर चुका है कि पत्रकारिता का असली उद्देश्य सच का पर्दाफाश करना और समाज की बेहतरी के लिए काम करना है मैं अपनी तरफ से इस अखबार की पूरी टीम को और हमारे पाठकों को 13वें वर्ष में प्रवेश करने पर कोटि-कोटि बधाई देता हूँ। आशा है कि आने वाले समय में यह अखबार और भी निडरता और निष्पक्षता के साथ अपने मार्ग पर चलता रहेगा और समाज के सकारात्मक बदलाव के लिए एक मजबूत स्तंभ बना रहेगा।

इंदौरः श्री वैष्णव आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

इंदौर। श्री वैष्णव आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज, इंदौर में दिनांक 26 अप्रैल 2025 को भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के 150 से अधिक प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने शोध पत्रों और आलेखों के माध्यम से विचार प्रस्तुत किए। उद्घाटन सत्र की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी के स्वागत भाषण से हुई। सहयोगी संस्थान रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अजय जैन ने संस्थान के कार्यों और परिचय की जानकारी दी। संगोष्ठी का परिचय और भूमिका कॉलेज के प्रोफेसर एवं कांफ्रेंस कन्वेनर डॉ. मनीष दुबे ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर उद्बोधन देने वालों में अरविंद गुप्ता (अध्यक्ष, श्री वैष्णव सहा. कपड़ा मार्केट कमेटी), देवेंद्र मुछाल (सचिव), डॉ. सौरभ जैन (चेयरमैन, रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया), और पुरुषोत्तमदास पसारी (अध्यक्ष, श्री वैष्णव ट्रस्ट समूह एवं कुलाधिपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय) शामिल रहे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राकेश सिंघई (कुलगुरु, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय) और डॉ. राजेश वर्मा (कुलगुरु, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर) ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपने व्याख्यान दिए। अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं में डॉ. डेजी एम. गलांगा (फिलीपींस), डॉ. रुद्र पी.डी. घिमेरे (नेपाल), और डॉ. चिन्नाह चिन्वे प्रॉमिस (नाइजीरिया)

ने अपने विचार साझा किए। तकनीकी सत्रों में डॉ. गुंजन शुक्ला (प्रिंसिपल, सिका कॉलेज), डॉ. विनीता पाराशर (आई.पी.एस. कॉलेज), और डॉ. विजय ग्रेवाल (झाबुआ) ने सेशन चेयर के रूप में योगदान दिया। सत्रों में शोधार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. सचिन शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर देवराज परमार को शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित वर्ग को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. विभोर एरेन ने किया। समापन सत्र में प्राचार्य डॉ. पारितोष अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. राजीव झालानी, डॉ. सुहास धांडे, डॉ. राम दांगी, डॉ. दीपक अग्रवाल, डॉ. संगीता भारूका, डॉ. इंदिरा दीक्षित, डॉ. श्रेष्ठ छाबड़ा, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ पारिख, डॉ. संजय प्रसाद, डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री, डॉ. सुमित त्रिवेदी, डॉ. जितेंद्र परमार, राष्ट्रीय कवि राकेश डांगी, डॉ. राकेश उपाध्याय, डॉ. विकास बक्शी, जी.एस. भाटिया, अनिल शर्मा और कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्यों सहित कई गणमान्य शिक्षाविद उपस्थित रहे।

एक व्हाट्सएप संदेश ने बदली तकदीर, बेटे को खो चुके माता-पिता को मिली 1.5 लाख की मदद

इंदौर। गुना के कुंभराज में रहने वाले जगदीश प्रसाद साहू और उनकी पत्नी ने पिछले साल अपने इकलौते बेटे, होम्योपैथी डॉक्टर सुनील साहू को खो दिया था। इस दुख से उबरना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन इंदौर की होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ने एक व्हाट्सएप संदेश के जरिए शुरू हुई मुहिम से 1 लाख 51 हजार रुपये जुटाकर उनकी जिंदगी में उम्मीद की किरण जलाई। रविवार को फूटी कोठी चौराहे पर आयोजित कैंप में बुजुर्ग दंपति को 1 लाख 30 हजार का चेक और 21 हजार रुपये नकद सौंपे गए, जिसे देख उनकी आंखें आभार से भर आईं। डॉ. सुनील साहू की 27 दिसंबर 2024 को इंदौर के कैट रोड स्थित क्लिनिक में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में राजेंद्र नगर पुलिस ने सुनील की पत्नी सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो अब जेल में हैं। पुलिस के अनुसार, पत्नी ने 1.5 लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात की साजिश रची थी। इस त्रासदी ने परिवार को आर्थिक और भावनात्मक रूप से तोड़ दिया था। जगदीश एक छोटी सब्जी की दुकान चलाते हैं, और बेटे के जाने के बाद उनकी स्थिति दयनीय हो गई थी। आइडियल क्योर होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बलराम गुप्ता ने सुनील की बहन की शादी में कुंभराज जाकर परिवार की हालत देखी। उन्होंने तुरंत 7 हजार रुपये की मदद दी और इंदौर लौटकर अपने साथियों से इस दुखद स्थिति को साझा किया। डॉ. बलराम ने एक वाट्सएप संदेश बनाया, जिसमें परिवार की मदद की अपील थी। यह संदेश उनके ग्रुपों में वायरल हो गया। होम्योपैथी डॉक्टरों और अन्य सदस्यों ने इसे पढ़कर तुरंत योगदान देना शुरू किया। डॉ. काशीराम शिवहरे के खाते में राशि जमा करने का आह्वान किया गया, और 160 से अधिक लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। रविवार के कैंप में जब जगदीश और उनकी पत्नी को यह राशि सौंपी गई, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। डॉ. बलराम ने बताया कि कई लोग अभी भी राशि भेज रहे हैं, जिसे बाद में परिवार को दिया जाएगा। एसोसिएशन के सदस्यों ने वादा किया कि वे हमेशा अपने साथियों के परिवार के साथ खड़े रहेंगे। इस मुहिम ने न केवल परिवार को आर्थिक सहारा दिया, बल्कि यह भी दिखाया कि एक छोटा सा संदेश समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का पट्टाचार्य पद पर सुशोभन- इंदौर में ऐतिहासिक जैन महाकुंभ

इंदौर। जैन धर्म के इतिहास में पहली बार, आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को 388 साधकों की उपस्थिति में सुमति धाम, इंदौर में पट्टाचार्य (गणाचार्य) पद से अलंकृत किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन मनीष गोधा परिवार के सहयोग से हो रहा है, जो जैन धर्म की सनातन परंपरा को और सशक्त बनाएगा। मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले के रूर गांव में 19 दिसंबर 1971 को जन्मे राजेंद्र, जिन्हें प्यार से %लला% कहा जाता था, ने मात्र 10 वर्ष की आयु में जैनत्व के नियम अपनाए। 1989 में मुनि श्री विराग सागर महाराज से प्रभावित होकर छुल्लक दीक्षा, 1991 में ऐलक दीक्षा और उसी वर्ष मुनि दीक्षा ग्रहण की। 2007 में औरंगाबाद में उन्हें आचार्य पद से सम्मानित किया गया। 3 जुलाई 2024 को गुरु विराग सागर महाराज ने उन्हें पट्टाचार्य पद सौंपा।

36 वर्षों की धर्म प्रभावना: आचार्य श्री पिछले 36 वर्षों से अहिंसा, शाकाहार, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे जैन सिद्धांतों का प्रचार कर रहे हैं। उनकी प्रेरणा से 56 गृहस्थों ने मुनि दीक्षा और 6 ने छुल्लक दीक्षा ली। उनके संघ में इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे उच्च शिक्षित युवा मुनि शामिल हैं, जिन्होंने लाखों के पैकेज छोड़कर संयम मार्ग चुना। 1999, करगुवाँ- एक सर्प ने आचार्य श्री के पैर को दबाया, पर उनकी करुणा भरी बातों से सर्प शांत होकर चला गया।2000, सागर- एक श्रावक की पुत्रवधू के रोग को उनके चरणों के गंधोदक ने ठीक किया।2010, भोपाल- शरारती तत्वों के नेता ने आचार्य श्री पर पत्थर उठाया, पर उनकी करुणा दृष्टि से वह शांत हो गया।

विश्व रिकॉर्ड और साहित्य सृजन: आचार्य श्री ने 12 राज्यों में 1,02,800 किमी पग विहार किया और 154 पंचकल्याणक कराए, जिसके लिए उनका नाम यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उन्होंने %सत्यार्थ बोध% जैसे नीतिशास्त्र ग्रंथ की रचना की, जिसके लिए ब्रिटिश नेशनल यूनिवर्सिटी और यूएसए ने उन्हें डी.लिट से सम्मानित किया। हिंदी, संस्कृत, प्राकृत, मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी और गुजराती में पारंगत आचार्य श्री उत्कृष्ट प्रवचनकार भी हैं।आचार्य श्री ने जीवनभर वस्त्र त्याग, वाहन उपयोग न करना, नमक, तेल, दही, मीठा त्याग और रात्रि मौन जैसे कठोर नियम अपनाए। वे अष्टमी, चतुर्दशी और पर्यूषण में मौन साधना करते हैं।

सुमति धाम में भव्य आयोजन: 27 अप्रैल से 2 मई तक सुमति धाम में आयोजन चल रहे हैं। 27 अप्रैल को शोभायात्रा में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने साधकों की अगवानी की। 30 अप्रैल को गणाचार्य पद सुशोभन के साथ यह महाकुंभ जैन धर्म के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा।

फ़लस्तीनी लोगों के प्रति एकजुटता

इज़राएल और अमेरिका द्वारा किये जा रहे जनसंहार को समाप्त करने की माँग

इंदौर। इंडो-फ़लस्तीन सॉलिडेरिटी नेटवर्क के डॉ. जॉन दयाल और विनीत तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में भारत में फ़लस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश से मुलाकात कर फ़लस्तीनी लोगों के साथ अपनी एकजुटता और हमदर्दी व्यक्त की। मुलाक़ात का उद्देश्य था - फ़लस्तीन में, विशेष रूप से ग़ज़ा और वेस्ट बैंक में जारी हिंसा को समाप्त करने के लिए इज़राएल और अमेरिका के समक्ष उनकी माँगों को रखना तथा लगातार जारी नरसंहार को तत्काल समाप्त कर इस विवाद को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सुलझाने की वैश्विक माँग पर ज़ोर देना। फ़लस्तीनी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार प्रकट करते हुए, नवनियुक्त राजदूत अबू शावेश ने दशकों से इज़राएल और फ़लस्तीन के बीच जारी संघर्ष के बारे में विस्तार से बात की और ऐतिहासिक तथ्यों के हवाले से बताया कि फ़लस्तीन में सदियों से ईसाई, यहूदी और मुस्लिम लोग खुशी-खुशी साथ-साथ रहते आये थे जिन्हें साम्राज्यवादी औपनिवेशिक ताक़तों ने आपस में बाँट दिया। इंडो-फ़लस्तीन सॉलिडेरिटी नेटवर्क (आईपीएसएन) की ओर से फ़लस्तीन के लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. जॉन दयाल ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा, यह युद्ध फ़लस्तीनी बच्चों के खिलाफ युद्ध है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार ग़ज़ा के लोगों पर इजरायल द्वारा फिर से हमले शुरू होने के बाद से, हर दिन 100 फ़लस्तीनी बच्चे मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। डॉ. दयाल ने कहा, एक इंसान, मानवाधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार होने के नाते, मुझे इस बात का बहुत दुःख है कि कैसे इज़राएल ने हर मानवीय कानून का उल्लंघन किया है।

पत्रकार, डॉक्टर, पैरामेडिक्स और संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी, सभी को निशाना बनाया गया है, जिससे ग़ज़ा दुनिया का सबसे खतरनाक स्थान बन गया है।÷ वरिष्ठ लेखक और मानवाधिकार कार्यकर्ता विनीत तिवारी ने प्रतिनिधिमंडल की ओर से राजदूत अबू शॉवेश को गांधी जी के चरखे की एक प्रतिकृति भेंट करते हुए कहा कि यह श्रम, प्रेम, सद्भाव और औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति का प्रतीक है। फ़लस्तीनी जनता का इंसाफ़ का संघर्ष निश्चित ही कामयाब होगा।

वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. जया मेहता ने भी राजदूत अबू शॉवेश को और उनके ज़रिये फ़लस्तीनी जनता को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। वरिष्ठ पत्रकार मनन कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता कुमारी, युवा विद्यार्थी शीरीन छिब्बर एवं प्रतिनिधिमण्डल के अन्य सदस्यों ने भी राजदूत के समक्ष अपने विचार और चिंताएँ साझा कीं। आईपीएसएन की ओर से फ़लस्तीनी राजदूत को डॉ. दयाल और विनीत तिवारी ने एकजुटता का एक पत्र दिया। पत्र में उल्लेखित है कि जब तक इज़राएल को सैन्य सामग्री की आपूर्ति बंद होनी चाहिए, ग़ज़ा और वेस्ट बैंक में इज़राएल को तत्काल हमले बंद करने चाहिए। ज्ञात हो कि इज़राएल की घेराबंदी की वजह से फ़लस्तीनी लोगों को बाहरी देशों और संस्थाओं से रसद, दवा और जीवनवश्यक ज़रूरी सामग्री भी नहींन मिल पा रही है।

पत्र में फ़लस्तीन के लिए मानवीय सहायता को फिर से शुरू करने की बात का भी समर्थन किया गया है। साथ ही आईपीएसएन ने इज़राएल की सरकार के फ़लस्तीन पर एकतरफ़ा युद्ध छेड़ने के लिए जिम्मेदार पदाधिकारियों पर युद्ध अपराध के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में मुकदमा चलाने की वैश्विक माँग का भी समर्थन अपने पत्र में किया है। प्रतिनिधिमंडल ने ज़ोर देते हुए कहा हम दुनिया के लाखों-करोड़ों लोगों के साथ मिलकर तत्काल न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की माँग करते हैं। फ़लस्तीनी राजदूत अब्दुल्ला अबू शॉवेश ने इस गर्मजोश और भावुक मुलाक़ात का समापन इस आह्वान के साथ किया - नदी से समुद्र तक, हर कोई स्वतंत्र होगा जिसे प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने भी दोहराया। भारत और फ़लस्तीन के बीच दोस्ती के मज़बूत रिश्ते के प्रतीक के तौर पर प्रतिनिधिमंडल के सभी 17 सदस्यों को राजदूत ने फ़लस्तीन का पारंपरिक गमछा कूफ़िए पहनाया।

विंटेज लुक के लिए फोकस करें जरूरी है हेयरस्टाइल पर

कई बार हम पुराने दिनों को याद करते हैं और उन्हीं दिनों में वापिस लौट जाना चाहते हैं। लेकिन वो कहते हैं ना कि बीता हुआ समय वापिस लौटकर नहीं आता। ऐसे में आप पुराने दिनों को तो वापिस नहीं ला सकते, लेकिन पुराने जमाने के लुक्स को रिक्रिएट करके पुरानी यादों को ताजा अवश्य किया जा सकता है। खासतौर से, एक विंटेज लुक के लिए सबसे जरूरी है हेयरस्टाइल पर फोकस करना। अगर आपने ध्यान दिया हो तो आपने अवश्य पाया होगा कि पुराने समय में कुछ खास हेयरस्टाइल्स को बेहद पसंद किया जाता था। लेकिन अब उन हेयरस्टाइल्स को कोई नहीं बनाता। ऐसे में अगर आप अपने लुक में एक बदलाव चाहती हैं और कुछ अलग करना चाहती हैं तो ऐसे में इन हेयरस्टाइल्स को बना सकती हैं। इन्हें बनाना इतना भी मुश्किल नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही विंटेज हेयरस्टाइल्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके बालों में भी बेहद अच्छे लगेंगे-

वेव्स हेयरस्टाइल्स

जब विंटेज लुक की बात होती है तो ऐसे में बालों को कर्ल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप पहले बालों को कर्ल करें। इसके बाद, आप फ्रंट से भी बालों को अंदर की तरफ कर्ल करें। यह आपके बालों को एक डिफरेंट लुक मिलेगा।

रिश्ते में कड़वाहट को बढ़ने से इस तरह रोकें

पति-पत्नी के रिश्ते में गुस्सा, नाराजगी, प्यार, मोहब्बत सब धूप-छांव की तरह होते हैं। लेकिन यदि गुस्से और नाराजगी का अनुपात ज्यादा हो जाए तो रिश्ता बिगड़ने लगता है। यदि आप भी किसी ऐसे आदमी के साथ रिश्ते में बंधी हैं, जिसे अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं रहता है तो जान लें इन्हें कैसे हैंडल करना चाहिए।

आज कल लोगों की मनोदशा बहुत तरीके से प्रभावित हो रही है, जिसके कारण वह अपने इमोशन को सही तरह से कंट्रोल करने में समर्थ नहीं है। इससे बहुत ज्यादा गुस्सा आना, मानसिक दबाव महसूस होने जैसी समस्याएं

लोगों में बहुत ही बढ़ गई है। ऐसे में रिश्तों को कैसे बचा कर रखा जा सकता है, आप इस लेख में प्रिडिक्शन्स फॉर सक्सेस के संस्थापक और रिलेशनशिप कोच विशाल भारद्वाज से जान सकते हैं। खासतौर पर यदि आप एक गुस्सैल पति या पत्नी के साथ बंधन में बंधे हुए हैं, तो यह टिप्स आपके लिए बहुत काम आ सकते हैं।

धीरज रखें

जब आपके पति क्रोध में हों तो ऐसी स्थिति में आपका गुस्सा करना चीजों को और भी खराब कर सकता है। ऐसे में अपनी बात को कहने के लिए उन्हें पूरे तरीके से शांत होने दें। ध्यान रखें कि जब भी पति गुस्से में हो तो पति का शांत रहना बहुत जरूरी है वरना छोटी सी बात भी लड़ाई में बदल जाती है।

साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस बच्चों में होती हैं ये गुण और आदतें

ये तो हम सभी जानते और समझते हैं कि हर बच्चा अलग होता है और जो खास बातें एक बच्चे में होती हैं, वो दूसरे में नहीं हो सकती हैं। कुछ बच्चे पढ़ाई में बहुत होशियार होते हैं, तो कुछ खेल-कूद में आगे रहते हैं। इस तरह हर बच्चा एक-दूसरे से अलग होता है। इसी तरह कुछ बच्चे जीनियस भी होते हैं और इनमें कुछ बातें या आदतें अलग होती हैं जिनकी मदद से आप ये जान और समझ सकते हैं कि ये बच्चे जीनियस हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि साइकोलॉजी के अनुसार जीनियस बच्चों में क्या गुण और आदतें होती हैं।

सकारात्मक दृष्टिकोण

आपको बता दें कि इन बच्चों का जीवन के हर पहलू को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रहता है। बात समाज की हो या फिर

व्यक्तिगत पहलुओं की, ये हर चीज और मुश्किल के सामने सकारात्मक नजरिया रखते हैं और चुनौतियों से घबराते नहीं हैं बल्कि उनका डटकर सामना करते हैं।

फैसला लेना

जीनियस बच्चों के बारे में ये कहा जाता है कि ये फैसले लेने में निपुण होते हैं। इनमें सही और गलत के बीच फर्क समझने का कौशल और क्षमता होती है और ये अपने हर निर्णय के फायदे और नुकसानों का आंकलन करने की भी क्षमता रखते हैं। कहा जा सकता है कि जीनियस बच्चे अपने फैसले खुद ले सकते हैं।

आत्म-नियंत्रण की भावना

इन बच्चों को अपनी भावनाओं और गुस्से को कंट्रोल करना आता है। आप सोच रहे होंगे कि बच्चे तो इन सभी चीजों के लिए बहुत छोटे होते हैं फिर वो कैसे इतना सब कर सकते हैं। आपको बता दें कि यहां बात जीनियस बच्चों की हो रही है और ये बच्चे खुद पर कंट्रोल रखना जानते हैं।

रचनात्मक होते हैं

जीनियस बच्चों में रचनात्मकता का गुण भी देखा जाता है। इनके कामों ही नहीं बल्कि इनकी सोच और विचारों में भी रचनात्मकता देखी जा सकती है। अगर आप भी एक पैरेंट हैं, तो अपने बच्चे में इस गुण के तलाशकर देखें और अगर उसमें ये गुण नहीं है, तो आप कुछ तरीकों से इसे विकसित भी कर सकते हैं।

आईपीएल 2025

एमआई के पास 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर फिर से वर्चस्व कायम करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस की दमदार वापसी एक बड़ी हाइलाइट है। इस सीजन में एमआई की शुरुआत लगातार दो हार के साथ हुई थी। इसके बाद उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज करके अपना खाता खोला। इसके बाद उन्हें फिर से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। पांच मैच में सिर्फ एक जीत के बाद एमआई के प्रदर्शन को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं थीं। लेकिन अब लगातार पांच मैच जीतकर पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस फिर से दहाड़ रहे हैं।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली टीम ने शुरुआती पांच मैचों के बाद जिस तरह से वापसी की है, वह काबिले तारीफ है। मुंबई इंडियंस को हालिया जीत रविवार को मिली, जब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से हरा दिया। मुंबई इंडियंस अगर एक और मैच जीत लेती है तो यह एक ही सीजन में लगातार जीत के मामले में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी होगी। एमआई की लगातार पांच जीत के बाद जो आंकड़े निकलकर आते हैं, वे बड़े ही दिलचस्प हैं। एमआई का एक ही सीजन में लगातार छह जीत का रिकॉर्ड सीजन 2008 में आया था। लेकिन तब यह टीम न तो खिताब जीत पाई थी और न

ही प्लेऑफ में ही पहुंच पाई थी। लेकिन, इसके बाद एमआई ने पांच ऐसे सीजन खेले हैं जहां उन्होंने लगातार पांच जीत दर्ज की और हर बार फाइनल में एंट्री दर्ज की।

इन पांचों सीजन में उन्होंने कमाल किया और चार बार खिताब जीतकर अपना वर्चस्व कायम किया। सिर्फ एक ही बार एमआई की टीम 2010 के सीजन में रनर-अप रहकर खिताब नहीं जीत पाई थी। इसके बाद 2013, 2015, 2017 और 2020 ऐसे सीजन थे जहां एमआई ने लगातार पांच जीत दर्ज की और खिताब भी अपने नाम किया। अब सीजन 2025 में भी लगातार पांच जीत के बाद एमआई अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा का बल्ला भी रन बना रहा है।

गेंदबाजी में बुमराह की फॉर्म देखकर लग रहा है कि वह अपनी अच्छी फिटनेस के साथ अपनी लय हासिल कर चुके हैं। ऐसे में अगर आंकड़े कुछ बयां करते हैं तो वह यही है कि एमआई मौजूदा सीजन में भी धमाल करने के लिए तैयार है। आंकड़े एमआई को फाइनल में एक बार फिर एंट्री दिलाते नजर आते हैं। हालांकि, एमआई को अभी और निरंतरता की जरूरत होगी, क्योंकि उनका यह प्रदर्शन तब आया है जब उनके सामने अभी लीग स्टेज में चार और मैच खेलने बाकी हैं। फिलहाल प्लेऑफ में जाने वाली टीमों के बीच तगड़ी टक्कर है।

एमआई इस समय तीसरे पायदान पर मौजूद है और उसके 12 अंक हैं। टॉप पर मौजूद आरसीबी टीम के 10 मैचों में 14 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद जीटी 8 मैचों में ही 12 अंक हासिल कर चुकी है। चौथे स्थान पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स 9 मैचों में 12 अंक हासिल कर चुकी है। यानी, मुंबई इंडियंस के पास न तो आत्ममुग्धता का समय है और न ही वे रिलैक्स हो सकते हैं। उनको टॉप-4 में बने रहने के लिए बाकी चार मैचों में भी पूरा दमखम झोंकना होगा। आदर्श तौर पर एमआई की नजरें टॉप-2 स्थान पर होंगी, जिसके लिए उनको लगातार जीत का सिलसिला बनाए रखना होगा ऐसा होता है तो वह न केवल खिताब की रेस में बहुत आगे हो जाएंगे, बल्कि 2008 के सीजन में बनाया लगातार जीत का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे।

ऋषभ पंत पर BCCI ने लगाया 24 लाख का जुर्माना, टीम पर भी लगाया फाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को मिली हार के बाद एक और झटका लगा है. कप्तान ऋषभ पंत और लखनऊ के सभी प्लेयर्स पर बीसीसीआई ने जुर्माना लगाया है. इस मैच में 216 रनों का पीछा करते हुए लखनऊ 161 रनों पर ढेर हो गई थी और मुंबई ने 54 रनों से मैच जीत लिया था. लखनऊ सुपर जायंट्स टीम पर ये जुर्माना स्लो ओवर रेट के कारण लगाया है. ये इस सीजन लखनऊ का दूसरा उल्लंघन है, जिसके कारण पंत पर भारी जुर्माना लगा है और अन्य खिलाड़ियों को भी नुकसान हुआ है. दरअसल पहली बार ऐसा होने पर सिर्फ कप्तान पर जबकि दूसरी बार ऐसा होने पर कप्तान के साथ खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगता है.

आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच 45 के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखी.

चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत सीजन में उनकी टीम का दूसरा अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए पंत पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया जाएगा.

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी का खराब फॉर्म जारी

ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर हैं, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रूपये में खरीदा था. कप्तान बनाने के साथ टीम को उम्मीद थी कि उनकी टीम अच्छा करेगी. टीम का प्रदर्शन तो बहुत बुरा नहीं है लेकिन कप्तान ने अभी तक निराश किया है. रविवार को भी मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. ऋषभ पंत ने 10 मैचों में सिर्फ 110 रन बनाए हैं, जबकि सिर्फ एक पारी में उन्होंने 63 रन बनाए थे. लखनऊ की ये 10 मैचों में 5वीं हार है. 10 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है. अब बचे हुए 4 मैच लखनऊ के लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं.

आईपीएल

विराट कोहली नहीं, पीयूष चावला ने इस खिलाड़ी को दिया आरसीबी की जीत का श्रेय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर पीयूष चावला को लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स द्वारा उनके शीर्ष क्रम को झकझोरने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ऐसी स्थिति में एंकर की भूमिका निभाने के लिए किसी की जरूरत थी जिसे बल्लेबाजी के उस्ताद विराट कोहली ने जिस तरह से अर्धशतक लगाकर निभाया। हालांकि उन्होंने कोहली के साथ ही जीत का श्रेय क्रुणाल पांड्या को भी दिया जिन्होंने स्पिन को अच्छे से खेला जबकि कोहली को मुश्किल हो रही थी।

आरसीबी के 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दिल्ली ने वापसी की और मेहमान टीम को 26/3 पर रोक दिया। आरसीबी की बल्लेबाजी की गहराई की परीक्षा होनी थी, और क्रुणाल पांड्या और विराट ने सुनिश्चित किया कि उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करे। विराट और क्रुणाल ने 119 रनों की शानदार साझेदारी करके बेंगलुरु को तालिका में शीर्ष पर पहुंचाया और रॉयल चैलेंजर्स को मुश्किल दौर से सुरक्षित निकाला।

साझेदारी के दौरान विराट ने स्ट्रोक रोटेशन पर बहुत अधिक भरोसा किया और अपनी नजरें बाउंड्री रोप पर टिकाए रखीं। कोहली 51(47) रन बनाकर डगआउट लौटे, उन्होंने गेंद को इनसाइड-आउट शॉट से भेजने की कोशिश की, लेकिन बाउंड्री रोप को पार नहीं कर सके। दुष्मंथा चमीरा की लेंथ डिलीवरी, जो ऑफ के बाहर थी, ने काम कर दिया, मिशेल स्टार्क ने शांतचित्त होकर कैच पूरा किया और विराट को आउट किया। चावला ने विराट की पारी के महत्व को रेखांकित किया, भले ही यह मौजूदा टी20 मानक को पूरा नहीं करती थी। उन्होंने कहा, विराट ने अपने 50 रन कैसे भी बनाए हों, महत्वपूर्ण बात यह है कि अंक तालिका में वे दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए जाएं। आरसीबी को पारी को संभालने के लिए कोई चाहिए था, स्कोर इतना बड़ा नहीं था।

खासकर तीन विकेट खोने के बाद, आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो एक छोर से बहुत ज़्यादा विकेट न खो दे, ताकि दूसरे आपके इर्द-गिर्द घूम सकें। विराट ने बिल्कुल यही किया है। वे 51 रन भुवी के स्लॉग ओवरों जितने ही महत्वपूर्ण थे। विराट 160-170 रनों का पीछा करने के लिए बहुत बढ़िया गणना करते हैं और टीम को पीछा करने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म देते हैं। कोहली ने एक छोर से विकेट संभाले रखा, वहीं क्रुणाल ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर बेंगलुरु की छह विकेट की शानदार जीत के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड होने के कारण सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने दिल्ली के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी के जाल में उलझाकर रोका, अनुभवी फॉफ डु प्लेसिस का विकेट लिया और 1/28 के आंकड़े के साथ समाप्त किया। बल्ले से उन्होंने बेड़ियां तोड़ीं, अपनी बाहें खोलीं और 47 गेंदों पर 73* रन बनाकर मनोरंजक प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, क्रुणाल ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्पिनरों को अच्छी तरह खेलते हैं और इसलिए वे मध्य चरण में अधिक खतरनाक हो जाते हैं। बल्लेबाजी के लिए यह एक मुश्किल विकेट था - यहां तक कि विराट ने भी कहा कि यह एक मुश्किल सतह थी.

एशियाई योगासन में भारत ने 83 स्वर्ण पदक जीते

● पाकिस्तान में होने वाले इस टूर्नामेंट से हटा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते।

एशियाई योगासन चैंपियनशिप में भारत ने पूर्णरूप से अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैंपियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। मंगोलिया, ओमान, नेपाल शीर्ष पांच में रहे। चैंपियनशिप में कुल 21 देशों ने शिरकत की, जिसमें उज्बेकिस्तान, थाईलैंड, कजाखस्तान भी शामिल हैं।

इस्लामाबाद में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप से हटा भारत

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारत ने इस्लामाबाद (पाकिस्तान) में होने वाली एशियाई वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला लिया है। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ (पीवीएफ) ने रविवार को कहा कि भारत

ने अगले माह इस्लामाबाद में होने वाली मध्य एशियाई वॉलीबॉल प्रतियोगिता से अपना दल हटा लिया है। पीवीएफ के अधिकारी अब्दुल अहद ने कहा कि भारत ने 28 मई से जिन्ना परिसर में शुरू होने वाली चैंपियनशिप के लिए 22 खिलाड़ियों सहित 30 सदस्यीय टीम भेजने की पुष्टि की थी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक शहीद हुए थे, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ गया है। अहद ने कहा, भारतीय वॉलीबॉल अधिकारियों ने क्षेत्रीय संस्था को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने पहलगाम में हुई घटना के बाद टूर्नामेंट के लिए उन्हें जारी किए गए एनओसी को रद्द कर दिया है।

भारत की जगह अब अफगानिस्तान या श्रीलंका की टीम भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की टीमें को हिस्सा लेना है।

केएल राहुल भारतीय टी-20 टीम में वापसी के हकदार: केविन पीटरसन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के मेंटोर केविन पीटरसन ने अपनी टीम के स्टार और बल्लेबाज और विकेटकीपर केएल राहुल को लेकर बड़ा दावा किया है।

उन्होंने राहुल के हालिया फॉर्म का हवाला देते हुए कहा कि वह भारतीय टी20 टीम में वापसी के हकदार हैं। अंग्रेज दिग्गज ने यह भी सलाह दी कि विकेटकीपर-बल्लेबाज के लिए चार नंबर सबसे बेस्ट है। दरअसल, राहुल पिछले कुछ समय से ञ्र-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में राहुल बेहतर नहीं कर पा रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, आईपीएल के इस सीजन में राहुल काफी बेहतर फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह अभी तक कुल 8 मैच खेले हैं। उन्होंने 146.18 स्ट्राइक रेट और 60.67 के औसत से कुल 364 रन बनाए हैं।

केविन पीटरसन ने कहा कि मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए केएल राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करवाऊंगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए ओपनिंग करने के कई सारे बल्लेबाज हैं, लेकिन राहुल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए मेरी पहली पसंद होंगे।

इश्कबाज एक्ट्रेस नवीना बोले ने साजिद खान पर लगाए गंभीर आरोप, कास्टिंग काउच पर किया चौंकाने वाला खुलासा

इश्कबाज और मिले जब हम तुम जैसे टीवी शोज में नजर आईं नवीना बोले ने डायरेक्टर साजिद खान गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। नवीना बोले ने साजिद खान को बहुत बुरा आदमी बताया और कहा कि उन्होंने अपने घर बुलाकर उनसे कपड़े उतारने को कहा था।

नवीना बोले ने कास्टिंग काउच का यह खुलासा सुभोजीत घोष को उनके यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में किया। साथ ही बताया कि साजिद खान बाकी लोगों के साथ मिलकर कैसे इंडस्ट्री में अन्य महिलाओं की बेइज्जती करते हैं।

नवीना बोले ने साजिद खान को बताया भयानक और बुरा

नवीना बोले ने कहा, एक बहुत ही भयानक आदमी था, जिससे मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिलना चाहती, उसका नाम साजिद खान था। वह हममें से बहुतों के पीछे पड़ गया और महिलाओं का अपमान करने में तो उसने हद ही कर दी।

साजिद ने कहा कि कपड़े क्यों नहीं उतार देतीं

नवीना ने आगे बताया कि जब साजिद खान फिल्म हे बेबी पर काम कर रहे थे, तब उन्होंने एक्ट्रेस को अपने घर बुलाया था। वह बोलीं, जब उन्होंने मुझे बुलाया तो मैं बहुत उत्साहित थी। फिर उन्होंने कहा कि तुम अपने कपड़े उतार कर लॉन्जरी में क्यों नहीं बैठ जातीं? मुझे देखना है कि तुम कितनी सहज हो। मैं 2004 और 2006 की बात कर रही हूं, जब मैंने ग्लैड्रैग्स किया था।

ज्यादा सोचने का नहीं बस कर डालते हैं!

शहर एक्ट्रेस मोनालिसा का लेटेस्ट फोटोशूट इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह फोटोशूट उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। लुक की बात करें तो मोनालिसा ने प्रिंटेड शर्ट के साथ स्कर्ट पहनी हुई है और अपने बालों को खुला छोड़ा है। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने वाइट शूज पहने हुए हैं। अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा - ज्यादा सोचने का नहीं, बस कर डालते हैं! हाल ही में उन्होंने अपने मां-बाबा को 11 लाख रुपए की कार गिफ्ट में दी है, जिसकी तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। उन तस्वीरों में कार खरीदने की खुशी एक्ट्रेस और उनके परिवार वालों के चेहरे पर साफ दिखाई दी। वह केक काटकर इस खुशी का जश्न मनाती भी नजर आई।

पहलगाम हमले से दुखी

अर्जुन ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

टीवी इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता और खतरों के खिलाड़ी के विजेता अर्जुन बिजलानी ने बात की। इस दौरान उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि वो आहत हैं और वर्तमान हालात को देखते हुए म्यूजिक वीडियो जा उसका हो जा को प्रमोट न करने का फैसला किया है। बिजलानी अपने म्यूजिक वीडियो का प्रचार करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर प्रमोशन न करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, मैं अपने म्यूजिक वीडियो के प्रमोशन में समय देना चाहता था, लेकिन देश में मौजूदा हालात की वजह से ऐसा न करने का फैसला लिया। हालात सामान्य हो जाएं तो हम जा उसका हो जा गाने को बेहतर तरीके से प्रमोट करेंगे। 15 से अधिक म्यूजिक वीडियो में काम कर चुके अभिनेता ने बताया कि इसमें काम करने से उन्हें अपने स्किल से जुड़े रहने में मदद मिलती है और अपने प्रदर्शन और रचनात्मकता के नए आयाम तलाशने का भी मौका मिलता है। म्यूजिक वीडियो उनके अभिनय के प्रति जुनून को जिंदा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अर्जुन ने कहा, मैं कई म्यूजिक वीडियो बना चुका हूं, जो छोटी-छोटी कहानियों को सुनाते हैं। यह अभिनय के प्रति मेरे जुनून को जिंदा रखता है। वास्तव में यह 4 या 5 मिनट की अवधि में तैयार एक छोटी फीचर फिल्म की तरह है, जिसमें आप प्रदर्शन करते हैं। मुझे लगता है कि इस तरह से कही गई कहानी के म्यूजिक वीडियो को लोग और भी पसंद करते हैं।

दैनिक सदभावना पाती को 13वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएं

OMAXE
Turning dreams into reality

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर

OMAXE-प्रथम में सर्व-प्रथम

बुक कीजिए, अपना नया घर

COMPLETION CERTIFICATE RECEIVED

OMAXE प्रथम

देश का जाना-माना रियल एस्टेट ग्रुप **OMAXE** आपके लिए लेकर आया है,
अपनी नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप OMAXE-प्रथम में प्रॉपर्टी बुक करने का शानदार मौका।

OMAXE-प्रथम को मिल चुका है, **CERTIFICATE OF COMPLETION**

Rera Registration Number: P-IND-24-5036

36 YEARS OF TRUST | 8 STATES • 29 CITIES

Setting Benchmarks In The Largest Choice of Products

High Street Commercials | Malls | Office Spaces | Corporate Business Towers | Retails Spaces | SCOs | Integrated Townships
Group Housing Residential High Rises | Luxury Villas & Apartments | Penthouses | Club Houses | Hospitality | Plots

Indore Zonal Office: FF-58, Orbit Mall, A.B. Road, Indore (M.P.)
Ujjain Regional Office: 2nd Floor, Shivansh Business Park, Opposite Ashrey Hotel, Dewas Road, Freeganj Ujjain (M.P.)
Ratlam Regional Office: Plot No. 25/3 (Fakhry Heights), 1st Floor, Mhow Road, Ratlam (M.P.)

8302 222 333
WWW.OMAXE.COM

Disclaimer. This advertising material or information hereof on this project or any product (unit) of the company is solely for informational purposes and the viewer has not relied on this information for making any booking/purchase any plot of the Company and fully understands and agrees that the information(s) the project/projects (unit) may undergo such changes or updates as may be required. Accordingly, all this shall not constitute as advertising, marketing, booking, selling or an offer for sale or invitation to purchase a unit in any project by the Company. The Company or any officer shall not be liable for any consequence of any action taken by the viewer relying on such material/information. The viewer is advised to seek information on the project/projects before booking of any product from the company office/website www.omaxe.com, MPRERA office/website https://rera.mp.gov.in

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।